भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4894

उत्तर देने की तारीख 23.03.2026

अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों में लोक प्रदर्शन कलाएं

4894. एडवोकेट प्रिया सरोज :

श्री पुष्पेंद्र सरोज :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान 'भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद' (आईसीसीआर) और अन्य केंद्रीय अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों के अंतर्गत सूचीबद्ध या प्रायोजित लोक प्रदर्शन कला मंडलियों की संख्या का वर्ष-वार और राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और विशेषकर उत्तर प्रदेश के लिए जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) शास्त्रीय और महानगरीय कला के प्रकारों की तुलना में उत्तर प्रदेश की लोक कलाओं को अंतर्राष्ट्रीय प्रोत्साहन देने के लिए स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई कुल केंद्रीय निधि का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और विशेषकर उत्तर प्रदेश के लिए जिले-वार ब्यौरा क्या है,

(ग) विदेशों में आयोजित सांस्कृतिक उत्सवों के लिए कलाकारों के चयन हेतु क्या मानदंड अपनाए गए हैं और क्या किसी क्षेत्रीय असंतुलन की पहचान की गई है और इस संबंध में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और विशेषकर उत्तर प्रदेश के संदर्भ में ब्यौरा क्या है;

(घ) द्विपक्षीय सांस्कृतिक कूटनीतिक पहलों में उत्तर प्रदेश की लोक परंपराओं का सुव्यवस्थित ढंग से समावेशन सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2026-27 हेतु क्या ठोस रूपरेखा तैयार की गई है; और

(ङ) उक्त राज्य के जमीनी स्तर के कलाकारों का केवल नाममात्र की भागीदारी में वृद्धि करने के लिए और उन्हें निरंतर वैश्विक स्तर पर पहचान सुनिश्चित करने के लिए क्या जवाबदेही और मापने योग्य लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): संस्कृति मंत्रालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन करने के लिए "वैश्विक भागीदारी स्कीम" (जीईएस) क्रियान्वित करता है। इस स्कीम के अंतर्गत, मंत्रालय ने विदेशों में भारत महोत्सव (एफओआई) में प्रस्तुति के लिए विभिन्न

कला रूपों के कलाकारों/समूहों को सूचीबद्ध किया है। वर्तमान में, मंत्रालय के पास 627 कलाकार/समूह सूचीबद्ध हैं। इसमें से 31 कलाकार/समूह उत्तर प्रदेश से हैं।

विदेश मंत्रालय के अंतर्गत आईसीसीआर ने विगत पांच वर्षों के दौरान विदेशों में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए 52 लोक कला मंडलियों को प्रायोजित किया है, जिनमें उत्तर प्रदेश राज्य की 3 मंडलियाँ शामिल हैं।

(ख): वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में, 2.58 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है और यह राशि उत्तर प्रदेश के लोक कलाकारों सहित भारत की कला और संस्कृति के अंतरराष्ट्रीय प्रचार के लिए विदेशों में भारतीय मिशन के माध्यम से भारत-विदेश मैत्री सोसाइटियों के लिए संस्वीकृत की गई है।

(ग): विदेशों में भारत महोत्सव में प्रस्तुति देने के लिए कलाकारों के चयन हेतु निम्नलिखित मानदंड अपनाए गए हैं:

(i) आवेदन करने के इच्छुक किसी भी कलाकार/समूह ने राज्य, राष्ट्रीय और/अथवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुति/भागीदारी की हो। इसमें राज्य/राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय स्तर की प्रस्तुतियों/कार्यक्रमों की संख्या अपेक्षित होती है।

(ii) कलाकार/समूह दर्शकों को कला रूप और प्रस्तुति के संबंध में समझाने में सक्षम होना चाहिए।

(iii) श्रेणी VII के संबंध में, केवल क्यूरेटेड प्रदर्शनियों के आवेदनों पर विचार किया जाएगा।

(iv) पैनल में शामिल होने के लिए आवेदन करने वाले विदेशी नागरिक ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्डधारक होने चाहिए।

आईसीसीआर विभिन्न देशों में स्थानीय पसंद और विभिन्न शैलियों की मांग के आधार पर विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों/पोस्टों/भारतीय सांस्कृतिक केन्द्रों से प्राप्त सिफारिशों के आधार पर अपने सूचीबद्ध कलाकारों के समूहों को भी प्रायोजित करता है। विगत पांच वर्षों में आईसीसीआर द्वारा उत्तर प्रदेश से 03 मंडलियों को प्रायोजित किया गया था।

(घ) और (ङ): प्रत्येक वर्ष, आईसीसीआर विदेशों में भारतीय मिशनों/पोस्टों/भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर एक वार्षिक कार्य योजना तैयार करता है। इसमें, भारत के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों की कम प्रतिनिधित्व वाली कलाओं और कलाकारों को प्राथमिकता दी जाती है। वास्तव में, इस वर्ष आईसीसीआर के विदेशों में सांस्कृतिक प्रोजेक्शन का विषय "जनजातीय, लोक और दुर्लभ स्वदेशी कलाओं के माध्यम से विश्व को जोड़ना" है।

आईसीसीआर के पास बाहर जा रही अपनी सांस्कृतिक मंडलियों का इष्टतम प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए फीडबैक और निगरानी तंत्र है। यह उन सभी राज्य सरकारों से भी संपर्क में है जिनके साथ उसने एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे भारत की समृद्ध और विविध लोक परंपराओं को बढ़ावा देने में उनका सतत सहयोग प्राप्त किया जा सके।

*****